षोडश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 07 चैत्र, 1939 (श0) / 28 मार्च, 2017 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 02

(1) शिक्षा विभाग	.. ..	01
(2) परिवहन विभाग	.. ..	01
	कुल योग —	02

मोटरयान निरीक्षक की संख्या बढ़ाना

25. श्री श्याम रजक--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 20 जून, 2016 को प्रकाशित शीर्षक "11 लाख वाहनों की जाँच के लिये बस दो एम0भी0आई0" के आलोक में क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार पंजीकरण के दो साल बाद व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस का हर साल भौतिक सत्यापन कराना आवश्यक है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पटना जिला में 15 लाख वाहन निबंधित हैं किन्तु इतने वाहनों के लिये पटना जिले में मात्र दो मोटरयान निरीक्षक (एम0भी0आई0) कार्यरत हैं ;

(3) क्या यह बात सही है कि एम0भी0आई0 की कमी से वाहनों की नियमित फिटनेस जाँच नहीं हो पाने के कारण सड़क दुर्घटनाएँ बढ़ गई है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पटना जिला में एम0भी0आई0 की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

=======

बैंको के विरुद्ध कार्रवाई

'क'-26. श्री श्याम रजक--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 12 जनवरी, 2017 को प्रकाशित शीर्षक "छात्रों को कर्ज देने में बैंक कर रहे आना-कानी" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत बैंक छात्रों को ऋण देने में अनावश्यक रूप से परेशान कर रही है जबकि उक्त योजना के तहत ऋण की राशि की गारंटी राज्य सरकार देती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि विगत 10 जनवरी, 2017 तक राज्य सरकार ने बैंक को स्वीकृति के लिये 45 आवेदन भेजे जिनमें से मात्र तीन छात्र को ही कार्ड जारी किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अपने अधिकार क्षेत्र के तहत बैंक के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 28 मार्च, 2017 (ई0) ।

राम श्रेष्ठ राय,
सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

नोट--'क' वित्त विभाग के ज्ञापांक 1061, दिनांक 14 फरवरी, 2017 द्वारा शिक्षा विभाग में स्थानान्तरित ।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 153-डी0टी0पी0-500